Subject :- Teaching of Social science

Topic. 1- पाठ्यक्रम (Curriculum)

पाठ्यक्रम अंग्रेजी भाषा के curriculum का हिन्दी रूपान्तर है, जो लैटिन भाषा से लिया गया है। अंग्रेजी भाषा मे पाठ्यक्रम के लिए 'करिकुलम' शब्द का प्रयोग करते है। करिकुलम शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के "क्यूररे" शब्द से हुई है। जिसका अर्थ है "दौड़ना"। इस प्रकार curriculum शब्द का अर्थ हुआ "दौड़ का मैदान"।

पाठ्यक्रम दो शब्दो का मेल है, पाठ्य तथा क्रम। पाठ्य का अर्थ है पढ़ने योग्य तथा क्रम का अर्थ है व्यवस्था अर्थात् पढ़ने योग्य विषयवस्तु की व्यवस्था।

मुनरो के अनुसार :- "पाठ्यक्रम मे वे सभी अनुभव सम्मिलित है, जिन्हे शिक्षा के उद्देश्यो की पूर्ति के लिए विद्यालय प्रयोग मे लाता है।"

डा० पी० आर० के अनुसार :- "पाठ्यक्रम द्वारा बालक अपने शैक्षिक लक्ष्यो को प्राप्त करता है।"

रमन के अनुसार :- "पाठ्यक्रम पर्यावरण मे होने वाली क्रियाओ का योग है।"

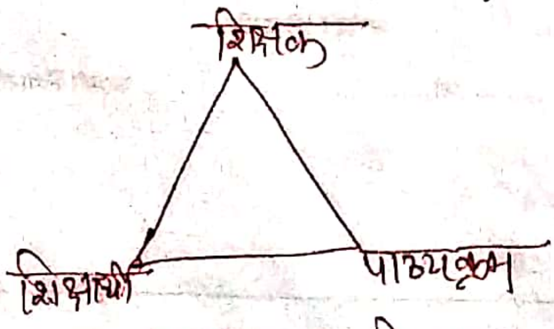

पाठ्यक्रम के घटक

* पाठ्यक्रम के उद्देश्य *

⇒ पाठ्यक्रम बालक के सम्पूर्ण विकास के लिए साधन उपलब्ध कराता है, जिसकी सहायता से शिक्षण की क्रिया पूर्ण की जाती।

⇒ पाठ्यक्रम से बालक मे जनतंत्रीय भावना का विकास करना।

⇒ पाठ्यक्रम शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सरल बनाने की दृष्टि से कई प्रकार के उपागम विकसित करने मे ~~सहायता~~ सहायक है।

⇒ पाठ्यक्रम को बालक की चिन्तन मनन, तर्क और विवेक एवं निर्णय आदि सभी मानसिक शक्तियों का विकास करना।

⇒ पाठ्यक्रम मे मानवीय अनुभव, संस्कृति तथा सभ्यता निहित होती है, जिन्हे नई पीढ़ी को हस्तान्तरित करना होता है।

⇒ पाठ्यक्रम बालको को भौतिक और सामाजिक वातावरण एवं इनके तत्वों के विषय मे जागरूकता तथा समझ प्रदान करता है।

* पाठ्यक्रम की विशेषताएँ *

⇒ पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षक छात्रो के नैतिक, सांस्कृतिक, संवेगात्मक, मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास हेतु प्रयत्न करता है।

⇒ पाठ्यक्रम द्वारा छात्रो को जीवनकाल मे प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होते है।

⇒ पाठ्यक्रम द्वारा शिक्षकों को दिशा-निर्देश प्राप्त होता है।

⇒ पाठ्यक्रम एक प्रकार से शिक्षको की अनुपस्थिति मे छात्रो के लिए पथ प्रदर्शक होता है।

Scanned with CamScanner

⇒ पाठ्यक्रम का छात्र के जीवन मे विशेष महत्त्व है, जिसके द्वारा बालको मे उपयुक्त मानसिक एवं शारीरिक दृष्टिकोणो तथा आदतो का विकास किया जाता है।

⇒ पाठ्यक्रम शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यो की पूर्ति करता है।

⇒ पाठ्यक्रम छात्र और अध्यापक के सम्बन्धो को मजबूत करता है, जिससे शिक्षक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित छात्र के द्वारा विभिन्न क्रियाएँ कराता है।

* पाठ्यक्रम की आवश्यकता *

⇒ छात्रो को आने वाले जीवन के लिए तैयार करना।

⇒ वर्तमान परिस्थितियो मे व्यक्ति को निर्वाह हेतु तैयार करना।

⇒ सामाजिक आवश्यकताओ हेतु नागरिको को तैयार करना।

⇒ मानवीय गुणो के विकास के लिए शिक्षा मे अत्याधिक महत्त्व दिया जाता है।

⇒ तकनीकी विकास और वैज्ञानिक आविष्कारो हेतु तैयार करना।

⇒ ज्ञान प्राप्त करने के लिए अन्य जीवो मे प्रमुख भिन्नता मानव की ज्ञान की दृष्टि मानी जाती है।

⇒ व्यवसाय और नौकरियो के लिए तैयार करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ छात्रों में अभिरुचियाँ उत्पन्न करने के लिए छात्रों की क्षमताओं के अनुरूप उनका विकास करना।

⇒ प्रजातन्त्र में सामाजिक क्षमताओं का विकास करना, ऐसे नागरिकों को तैयार करना, जो प्रजातन्त्र को नेतृत्व प्रदान कर सके।

⇒ मानसिक पक्षों का प्रशिक्षण तथा विकास करने के लिए विभिन्न विषयों के शिक्षण में मानसिक पक्षों का प्रशिक्षण किया जाता है।

* पाठ्यक्रम का महत्व *

1. उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए।
2. सुव्यवस्थित शिक्षा व्यवस्था के लिए।
3. मूल्यांकन प्रक्रिया में सहायक के रूप में।
4. शिक्षण सामग्री का निर्धारण करने के लिए।
5. पाठ्य पुस्तकों के निर्माण में सहायक के रूप में।
6. स्तर बनाए रखने के लिए।
7. समय और शक्ति की बचत के लिए।
8. शिक्षण विधियों का चयन करने में सहायक के रूप में। आदि।

Thank you

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Prof.
B.R.C Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner